

प्रेषक,

अरविन्द सिंह हयांकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून: दिनांक 09 फरवरी, 2010

विषय:- आतिथ्य व्यय सहित विभिन्न मदों में व्यय धनराशि पुनर्विनियोजन के माध्यम से स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-10/सू.एवंलो.स.वि./ (लेखा)/पुनर्विनियोग/2009-10, दिनांक 06 जनवरी, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष-2009-10 में अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न बी.एम.-15 में इंगित विवरणानुसार रू0 4000.00 हजार (रूपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि को अनुदानान्तर्गत बचतों के पुनर्विनियोजन के माध्यम से व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राजपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। धनराशि व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भण्डार क्रय नियम (स्टोर, परचेज रूल्स), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत नियम), शासनादेशों तथा समय-समय पर जारी विभागीय निर्देशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, लेकिन नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2009-10 के अनुदान संख्या-14-लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनागत पक्ष के अंतर्गत संलग्न प्रपत्र बी.एम.-15 में इंगित लेखाशीर्षक के सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

6- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ.शा.पत्र सं.-568 NP/XXVII (5)/2009, दिनांक 05 फरवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह हयांकी)
अपर सचिव।

संख्या- 147 / XXII / 2010-02(7)2007 / टी.सी. तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 सूचना मंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 5- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- एन0आई0सी0, देहरादून, सचिवालय।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव।

प्रपत्र बी0एम0-15

पुनर्विनियोग वित्तीय वर्ष-2009-10

नियंत्रक अधिकारी-महानिदेशक सूचना एवं लोक सर्पक विभाग, उत्तराखण्ड, प्रशासनिक विभाग-सूचना अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन
अनुदान संख्या-14 मतदेय-आयोजनेत्तर

(धनराशि हजार में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का मादवार विवरण	मानक मदवार अभ्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरस्वस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानांतरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि स्तम्भ-1	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
2220 सूचना तथा प्रचार -आयोजनेत्तर-60-अन्य -001-निदेशन तथा प्रशासन -03-अधिष्ठान- -00-मानक मद -01-वेतन बजट-13000 03-महंगाई भत्ता बजट-3200	-	2000	1800	2220 सूचना तथा प्रचार -आयोजनेत्तर 60-अन्य -001-निदेशन तथा प्रशासन 03-अधिष्ठान-00 मानक मद- 22-आतिथ्य व्यय/व्यय विषयक भत्ता आदि-2500	6000	01-वेतन-11300 03-महंगाई भत्ता -2400	इस मद में चालू वित्तीय वर्ष के लिये विभाग द्वारा रु. 7000 हजार की मांग की गयी थी, जिसके सापेक्ष शासन द्वारा केवल रु. 3500 हजार की धनराशि स्वीकृत की गयी है, तथा रु. 2500 हजार के बीचक भुगतान हेतु लब्धित है। इस मद से मा. मुख्यमंत्री जी की प्रेस वार्ताओं प्रिंट मीडिया / इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के आतिथ्य-सात्कार एवं अन्य पत्रकार सम्मेलनों की व्यवस्था, प्रेस भ्रमण, मास्यता प्राप्त पत्रकारों को परिवहन निगम की बसों में की गयी निशुल्क यात्राओं, आदि के लिये रु. 2500 हजार की अतिरिक्त व्यय संभावित है।
06-अन्य भत्ते बजट-1900	-	203	745	17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व-300	1100	1600	इस मद में स्वीकृत रु. 800 हजार के सापेक्ष वर्तमान तक रु. 727 हजार का व्यय हो चुका है। निदेशालय हेतु वर्तमान किराए के भवन पर एक अतिरिक्त तल शासन की स्वीकृति के उपरान्त किराये पर लिया गया है। संपूर्ण वित्तीय वर्ष में किराया मद में रु. 1125 हजार का व्यय होगा। अतः वित्तीय वर्ष की अवशेष अवधि की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये भवन किराया की मद में रु. 300 हजार की अतिरिक्त आवश्यकता है।

1	2	3	4	5	6	7	8
2220-सूचना तथा प्रचार -आयोजनेत्तर-60-अन्य -800-अन्य व्यय 07-प्रदेश में मीडिया सलाहकार समिति का गठन-00 मानक मद- 42-अन्य व्यय बजट-1500	-	132	900	2220-सूचना तथा प्रचार -आयोजनेत्तर-60-अन्य -001-निर्देशन तथा प्रशासन 03-अधिष्ठान-00 मानक मद- 08-कार्यालय व्यय-900 06-कार्यालय व्यय-900	2200	600	इस मद में स्वीकृत रु. 1300 हजार के सापेक्ष रु. 1300 हजार की धनराशि व्यय हो चुकी है। वर्तमान में रु. 600 हजार के बीचक भुगतान हेतु लब्धिव है तथा अवशेष मांगों में रु. 300 हजार के व्यय की सम्भावना है। इस प्रकार समाचार पत्र/पत्रिकाओं के क्रय, डाक व्यय तथा कार्यालय की विविध व्यवस्थाओं संबंधी आकस्मिक व्यय हेतु इस में रु. 900 हजार की अतिरिक्त मांग की जा रही है।
2220 सूचना तथा प्रचार आयोजनेत्तर-60-अन्य- -110-प्रकाशन -03-अधिष्ठान-00 मानक मद- 01-वैतन बजट-2000	-	250	500	2220 सूचना तथा प्रचार -आयोजनेत्तर 60-अन्य -110-प्रकाशन -03-अधिष्ठान-00 मानक मद- 08-कार्यालय व्यय-300	500	1700	प्रकाशन संबंधी कार्यालय व्यय मद में स्वीकृत रु. 200 हजार की धनराशि व्यय हो चुकी है तथा 300 हजार के बिल भुगतानार्थ लंबित है। सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न विभागीय प्रकाशनों हेतु सामग्री तैयार करने सकलन आदि कार्यों तथा प्रकाशनों का विवरण व पुस्तक क्रय की व्यवस्था हेतु रु. 300 हजार की अतिरिक्त व्यय की मांग की जा रही है।
योग	21600	3035	4795	4000	9800	17600	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट मँनुअल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव